हकेवि संकाय सदस्य को मोटे अनाज पर शोध के लिए डीएसटी से मिला अनुदान

महेंद्रगढ़, 2 जुलाई (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग में संकाय सदस्य डॉ. अनिता कुमारी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से साइंस एंड हेरिटेज रिसर्च इनीशिएटिव (एसएचआरआई) सेल के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अंतर्गत मोटा अनाज पर शोध हेतु 94 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस पहल के अंतर्गत अनुदान प्राप्त करने वाले तीन प्रमुख संस्थानों में शामिल है। विश्वविद्यालय के साथ-साथ इस शोध कार्य हेतु एनआईएफटीईएम-टी व जामिया हमदर्द को भी यह अवसर प्राप्त हुआ है।

कुलपति टंकेश्वर कुमार और समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने डीएसटी, एसएचआरआई सेल से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए परियोजना टीम को बधाई दी और कहा कि यह निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा और समाज के कमजोर वर्ग के बीच गैर-संचारी रोगों के प्रबंधन के लिए स्थायी समाधान प्रदान करेगा।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा, स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस के डीन प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता और पोषण जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना प्राप्त करने वाली टीम को बधाई दी।

डीएसटी ने वर्ष 2023-24 के लिए 'मोटा अनाज आधारित खाद्य उत्पादों का विकास: अनुकूलन, लक्षण वर्णन और सत्यापन' केंद्र अनुसंधान एवं विकास परियोजना हेतु हकेंवि के पोषण जीव विज्ञान विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव का स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना के अंतर्गत विभाग की सहायक आचार्य अनिता कुमारी प्रमुख अन्वेषक तथा सह आचार्य डॉ. अश्वनी कुमार, सह-प्रमुख अन्वेषक हैं। डॉ. अनिता कुमारी ने बताया कि इस परियोजना के माध्यम से डीएसटी का उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों के बीच नवीन अनुसंधान विचारों को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है, जिसका बड़े पैमाने पर समाज पर सीधा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वीकृत परियोजना के मुख्य आकर्षण में स्थानीय आबादी के बीच ऑन और ऑफ-कैंपस प्रशिक्षण के माध्यम से विकसित तकनीक का प्रसार शामिल है, जो कौशल विकास, रोजगार सृजन और गैर-संचारी रोगों के प्रबंधन के लिए नियमित आहार में शामिल करने के लिए मोटा अनाज को लोकप्रिय बनाने में सहायता करेगा।

नवोदय टाइम्स
Wed, 03 July 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/75369046

CUH faculty receives fund from DST for research on Millets in consortium mode

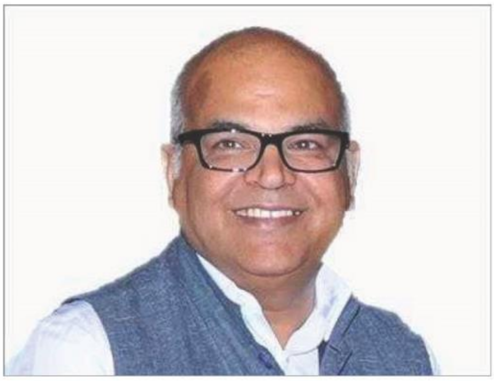

MAHENDERGARH, 02.07.24-Department of Science and Technology (DST) under Science and Heritage Research Initiative (SHRI) cell has sanctioned funding for Rs. 94 lakhs (approximately) to undertake research on "Millets" under International Year of Millets -2023 in consortium mode wherein three premier institutes namely; Central University of Haryana, NIFTEM-T and Jamia Hamdard are involved.

The Vice -Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar and Pro-Vice-Chancellor, Prof. Sushma Yadav, congratulated the project team for receiving the research grant from DST, SHRI Cell and said that it will definitely boost the research activities in the university and provide the sustainable solutions for the management of non-communicable diseases among vulnerable section of the society. Prof. Sunil Kumar, Registrar; Prof. Pawan Kumar Sharma, Dean Research; Prof. Dinesh Kumar Gupta, Dean, SIAS and Prof. Kanti Prakash Sharma, Head, Nutrition Biology also congratulated the project team.

The DST has sanctioned the Research and Development project for the year 2023-24 entitled "Development of millets-based food products: Optimization, characterization and validation" to Department of Nutrition Biology, CUH. Dr. Anita Kumari, Assistant Professor is Principal Investigator and Dr. Ashwani Kumar, Associate Professor is Co-Principal Investigator of the project. The mandate of the funding agency is to play a pivotal role among young scientists to pursue innovative research ideas which have direct impact on the society at a large scale. The mandate of the sanctioned project is also to make collective efforts for the development of millets-based food products, its nutritional characterization and validation of developed products via. in-vitro, ex-vivo, and in-vivo studies. The project highlights involve dissemination of the developed technology among local population through on and off-campus trainings which will aid for skill development, employment generation and popularization of millets for inclusion in regular diet for the management of non-communicable diseases.

हकेंवि संकाय सदस्य को मोटा अनाज पर शोध के लिए डीएसटी से मिला अनुदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पोषण जीव विज्ञान विभाग में संकाय सदस्य डॉ. अनीता कुमारी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से साइंस एंड हेरिटेज रिसर्च इनीशिएटिव (एसएचआरआई) सेल के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष-2023 के अंतर्गत मोटा अनाज पर शोध के लिए 94 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस पहल के अंतर्गत अनुदान प्राप्त करने वाले तीन प्रमुख संस्थानों में शामिल है। विश्वविद्यालय के साथ-साथ इस शोध कार्य के लिए एनआईएफटीईएम-टी व जामिया हमदर्द को भी यह अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने डीएसटी, एसएचआरआई सेल से अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने के लिए परियोजना टीम को बधाई दी और कहा कि यह निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा और समाज के कमजोर वर्ग के बीच गैर-संचारी रोगों के प्रबंधन के लिए स्थायी समाधान प्रदान करेगा, विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार शर्मा, स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस के डीन प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता और पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने भी परियोजना प्राप्त करने वाली टीम को बधाई दी। डीएसटी ने वर्ष 2023-24 के लिए मोटा अनाज आधारित खाद्य उत्पादों का विकासः अनुकूलन, लक्षण वर्णन और सत्यापन केंद्रित अनुसंधान एवं विकास परियोजना के लिए हकेंवि के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव का स्वीकृति प्रदान की है। विभाग की सहायक आचार्य अनिता कुमारी प्रमुख अन्वेषक तथा सहआचार्य डॉ. अश्वनी कुमार, सह-प्रमुख अन्वेषक हैं।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन। फोटो : हरिभूमि

बहुविषयक शिक्षा को बढ़ावा देने में जुटा हकेंवि

■ दाखिले के लिए पात्रता नियमों में किया संशोधन

■ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप छात्रों को मिलेगा स्ट्रीम चयन का अवसर

महेंद्रगढ़, 1 जुलाई (मोहन, परमजीत): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन की दिशा में एक कदम ओर आगे बढ़ते हुए, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ ने जुलाई 2024 से शुरू होने वाले शैक्षणिक सत्र में उपलब्ध विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्रता नियमों में संशोधन किया है।

कुलपति टंकेश्वर कुमार ने इस बदलाव को बहुविषयक शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि बताया।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की यह पहल एनईपी-2020 के अंतर्गत स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों को स्ट्रीम चयन के स्तर पर अधिक स्वतंत्रता प्रदान करेगी। अवश्य ही यह बदलाव विभिन्न विषयों के बीच की खाई को समाप्त करने और विद्यार्थियों को शैक्षणिक मोर्चे पर विषय चुनाव के व्यापक विकल्प प्रदान करेगा। हकेवि में एनईपी-2020 के कार्यान्वयन के समन्वयक व शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने बताया कि संशोधित पात्रता नियम ऐसे विद्यार्थियो के लिए बड़ी राहत का मार्ग प्रशस्त करेंगे जो कि सीनियर सेकेंडरी व स्नातक कार्यक्रम के बाद स्ट्रीम में बदलाव की इच्छा रखते हैं। प्रो. संजीव कुमार ने उदाहरण देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में सामाजिक विज्ञान, भाषा, प्रबंधन, भूगोल, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान, पर्यटन और होटल प्रबंधन, योग, सांख्यिकी और गणित आदि के विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर कार्यक्रम उपलब्ध हैं। इन कार्यक्रमों में संशोधित नियमों के बाद अब किसी भी विषय में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों या समकक्ष ग्रेड (एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी/ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) को 5 प्रतिशत की छूट) के साथ स्नातक की डिग्री रखने वाला उम्मीदवार इनमें से किसी भी कार्यक्रम (सीयूईटी के माध्यम से) में प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं। बता दें कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उत्तर क्षेत्र के विश्वविद्यालयों में एनईपी-2020 के कार्यान्वयन हेतु समन्वयक की भूमिका का भी निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में एनईपी-2020 की प्रमुख सिफारिशों जैसे अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, मल्टीपल एंट्री और मल्टीपल एग्जिट, एनईपी-आधारित पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क, उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण, यूजीसी द्वारा जारी शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन के लिए सहयोगात्मक शैक्षणिक और अनुसंधान पहल से हकेवि को बहु-विषयक अनुसंधान विश्वविद्यालय के रूप में अपने क्षितिज का विस्तार करने में मदद करेगी।

नवोदय टाइम्स
Tue, 02 July 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/75

CUH Revises Eligibility Conditions to Promote Multidisciplinary Education As a step forward towards implementation of National Education Policy-2020(NEP-2020)

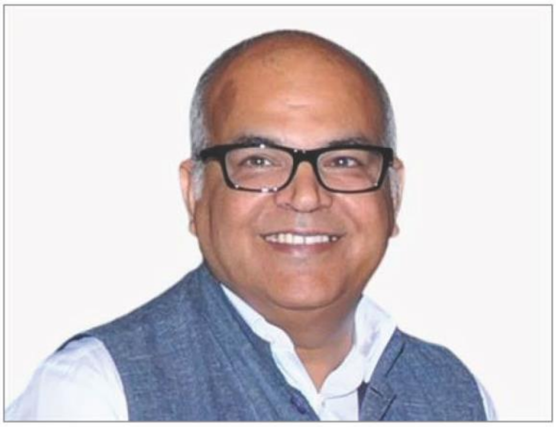

MAHENDERGARH, 01.07.24-CUH Revises Eligibility Conditions to Promote Multidisciplinary Education.

As a step forward towards implementation of National Education Policy-2020(NEP-2020), Central University of Haryana has revised the eligibility condition for admission to various undergraduate and postgraduate programmes offered in academic session starting from July 2024. Considering it as a major breakthrough towards promoting multidisciplinary education, the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar hailed the NEP-2020 as a vision document for the future of the nation and remarked that this initiative of the University would provide greater freedom of choice to the students seeking admission to UG and PG programmes. It will break the silos between the disciplines and students shall have wider options to choose their academic pathways.

Prof. Sanjiv Kumar, Dean Academic and Coordinator for implementing NEP-2020 at Central University of Haryana, highlighted that the revised eligibility conditions shall facilitate a large number of such students who wish to change the discipline and stream of learning after senior secondary or bachelor's programme.

Prof. Kumar cited the example of Master's programme in various subjects of social sciences, languages, Management, Geography, Library and Information Science, Tourism and Hotel Management, Yoga, Statistics and Mathematics where, according to the revised guidelines, a candidate possessing Bachelor's degree from any recognized University in any discipline with a minimum 50% marks or equivalent grade in aggregate (relaxation of 5% to the SC/ST/PWD/OBC (Non-Creamy Layer) is eligible to apply for admission to any of these programmes (through CUET), motivating the students to explore the possibility of higher education beyond their core disciplines.

Prof. Tankeshwar Kumar, who has also been appointed as the Coordinator of the

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को आईआईआरएफ रैंकिंग में मिला 26वां स्थान

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को आईआईआरएफ रैंकिंग में देश के 50 शीर्ष केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 26वां स्थान मिला।

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ को आईआईआरएफ रैंकिंग 2024 में देश के शीर्ष 50 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 26वां स्थान मिला है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी सहभागियों को बधाई दी और उनके सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय को यह रैंक विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट, अध्ययन-अध्यापन संसाधनों के विकास, अनुसंधान आदि के आधार पर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हम विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कुलपति ने सभी सहभागियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में विभिन्न मोर्चों पर गुणवत्ता को और बढ़ाने तथा बनाए रखने के लिए लगातार प्रयासरत है। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस सफलता के लिए अधिकारियों, अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व सहभागियों का उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

हकेवि को आईआईआरएफ रैंकिंग में 26वां स्थान

महेन्द्रगढ़ (हप्र) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ को आईआईआरएफ रैंकिंग-२०२४ में देश के शीर्ष 50 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में २6वां स्थान मिला है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी सहभागियों को बधाई दी और उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय को यह रैंक विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट, अध्ययन-अध्यापन संसाधनों के विकास, अनुसंधान आदि के आधार पर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हम विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कुलपति ने सभी सहभागियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में विभिन्न मोर्चों पर गुणवत्ता को और बढ़ाने तथा बनाए रखने के लिए लगातार प्रयासरत है। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस सफलता के लिए अधिकारियों, अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व सहभागियों का उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

दैनिक ट्रिब्यून
Mon, 01 July 2024
https://epaper.dainiktri

हकेवि के सहआचार्य डॉ. रूपेश देशमुख को मिली विलियम गैंबल फैलोशिप

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई सहयोग की शुरूआत की गई है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय कुलपति के सहयोग से विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं सह-आचार्य डॉ. रूपेश देशमुख को प्रतिष्ठित विलियम गैंबल फैलोशिप प्राप्त हुई है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. रूपेश देशमुख की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।

यहां बता दें कि विलियम गैंबल फैलोशिप ऑस्ट्रेलिया के डूकी कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य विलियम गैंबल की स्मृति में शुरू की गई फैलोशिप है। इसके अंतर्गत डॉ. रूपेश देशमुख को तीन महीने के लिए मेलबर्न विश्वविद्यालय में शोध एवं शिक्षण करने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर डॉ. रूपेश देशमुख ने बताया कि मेलबर्न विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डॉ. सजीता बिजू ने हाल ही में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रयोगशाला का भ्रमण किया और सिलिकॉन ट्रांसपोर्टर एक्वापोरिन्स पर कार्य भी किया। उन्होंने बताया कि विलियम गैंबल फैलोशिप के अंतर्गत वे डॉ. सजीता बिजू और डॉ. डॉरीन गुप्ता के साथ मिलकर शोध कार्य करेंगे। इसका लाभ उनके विद्यार्थियों व विभाग को भी मिलेगा। डॉ. रुपेश देशमुख ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार को उनके सहयोग व प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न विश्वविद्यालय के उच्च शिक्षा अध्ययन केंद्र के प्रतिनिधियों ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया था। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार अंतरराष्ट्रीय सहयोग स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं ताकि वैश्विक स्तर पर ज्ञान का आदान-प्रदान हो सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व रामलिंगा स्वामी फेलो डॉ. हमीरा सोना भी उपस्थित रहीं।

फैलोशिप मिलने के बाद कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ डॉ. रूपेश देशमुख। **आज समाज**

कुलपति ने शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का किया विमोचन

महेंद्रगढ़, 18 जुलाई (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने गुरुवार को भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर केंद्रित शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि शीतकालीन स्कूल को भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में ज्ञान और क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है, जो भारत सरकार की 'डिजिटल इंडिया' पहल के साथ संरेखित है।

विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि भारत के तेजी से विकसित हो रहे बुनियादी ढांचे के परिदृश्य में, डिजिटल परिवर्तन बढ़ी हुई दक्षता, लागत-प्रभावशीलता और समय पर परियोजना पूर्ण करने के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां बता दें कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के राष्ट्रीय भू-स्थानिक कार्यक्रम (एनजीपी) के सहयोग से भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर शीतकालीन स्कूल की घोषणा की है। यह कार्यक्रम आगामी 25 नवंबर से 15 दिसंबर, 2024 तक आयोजित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज के अंतर्गत संचालित भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार इस पहल का समन्वयन करेंगे। डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम तीन स्तरों में प्रशिक्षण प्रदान करता है। जिसमें वर्तमान घोषणा पहले स्तर के मानक कार्यक्रम पर केंद्रित है। इसमें जीआईएस, रिमोट सेंसिंग और डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग के मूल सिद्धांतों को शामिल किया गया है, जो व्यावहारिक प्रयोगशाला सत्रों, फील्डवर्क और मिनी-प्रोजेक्ट्स द्वारा संचालित होगी। डॉ. जितेंद्र ने बताया कि इस कार्यक्रम में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्य, राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारी, शोधकर्ता, स्कूल शिक्षक और पंजीकृत गैर सरकारी संगठन प्रतिभागिता कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें 30 सितंबर, 2024 तक केज.पहमजणपद पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवदेन पत्र भरना होगा। कुल 25 चयनित प्रतिभागियों को 03 अक्टूबर, 2024 तक सूचित किया जाएगा। इस अवसर पर भूगोल विभाग के प्रोफेसर एम.एल. मीना, डॉ. खेराज, डॉ. सी.एम. मीना, डॉ. काजल कुमार मंडल, डॉ. मनीष कुमार एवं श्री संजीत कुमार उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी कार्यक्रम समन्वयक एवं विभाग से प्राप्त की जा सकती है।

शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

नवोदय टाइम्स
Fri, 19 July 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/75470583

शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का किया विमोचन

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बृहस्पतिवार को भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर केंद्रित शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि शीतकालीन स्कूल को भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में ज्ञान और क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है, जो भारत सरकार की 'डिजिटल इंडिया' पहल के साथ संरेखित है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि भारत के तेजी से विकसित हो रहे बुनियादी ढांचे के परिदृश्य में, डिजिटल परिवर्तन बढ़ी हुई दक्षता, लागत-प्रभावशीलता और समय पर परियोजना पूर्ण करने के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां बता दें कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के राष्ट्रीय भू-स्थानिक कार्यक्रम (एनजीपी) के सहयोग से भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर शीतकालीन स्कूल की घोषणा की है। यह कार्यक्रम आगामी 25 नवंबर से 15 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के स्कूल आफ बेसिक साइंसेज के अंतर्गत संचालित भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डा. जितेंद्र कुमार इस पहल का समन्वयन करेंगे। डा. जितेंद्र कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम तीन स्तरों में प्रशिक्षण प्रदान करता है। जिसमें वर्तमान घोषणा पहले स्तर के मानक कार्यक्रम पर केंद्रित है। इसमें जीआइएस, रिमोट सेंसिंग और डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग के मूल सिद्धांतों को शामिल किया गया है, जो व्यावहारिक प्रयोगशाला सत्र, फील्डवर्क और मिनी-प्रोजेक्ट्स द्वारा संचालित होगी।

- 25 नवंबर से 15 दिसंबर तक होगा शीतकालीन स्कूल सत्र का आयोजन
- 30 सितंबर तक पोर्टल के माध्यम से शीतकालीन स्कूल सत्र के लिए आनलाइन आवेदन भरना होगा

विवरणिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • सौ. प्रवक्ता

डा. जितेंद्र ने बताया कि इस कार्यक्रम में कालेजों और विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्य, राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारी, शोधकर्ता, स्कूल शिक्षक और पंजीकृत गैर सरकारी संगठन प्रतिभागिता कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें 30 सितंबर तक पोर्टल के माध्यम से आनलाइन आवेदन पत्र भरना होगा। कुल 25 चयनित प्रतिभागियों को तीन अक्टूबर तक सूचित किया जाएगा।

इस अवसर पर भूगोल विभाग के प्रोफेसर एमएल मीना, डा. खेराज, डा. सीएम. मीना, डा. काजल कुमार मंडल, डा. मनीष कुमार एवं संजीत कुमार उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी कार्यक्रम समन्वयक एवं विभाग से प्राप्त की जा सकती है।

वीसी ने शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का किया विमोचन

शीतकालीन स्कूल विवरणिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : हकेंवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वीरवार को भू-स्थानिक विज्ञान व प्रौद्योगिकी पर केंद्रित शीतकालीन स्कूल की विवरणिका का विमोचन किया। कुलपति ने कहा कि शीतकालीन स्कूल को भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में ज्ञान और क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है, जो भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल के साथ संरेखित है।

हकेंवि ने भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के राष्ट्रीय भू-स्थानिक कार्यक्रम (एनजीपी) के सहयोग से भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर शीतकालीन स्कूल की घोषणा की है। यह कार्यक्रम आगामी 25 नवंबर से 15 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज के अंतर्गत संचालित भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार इस पहल का समन्वयन करेंगे। डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम तीन स्तरों में प्रशिक्षण प्रदान करता है जिसमें वर्तमान घोषणा पहले स्तर के मानक कार्यक्रम पर केंद्रित है। इसमें जीआईएस, रिमोट सेंसिंग और डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग के मूल सिद्धांतों को शामिल किया गया है, जो व्यावहारिक प्रयोगशाला सत्रों, फील्डवर्क और मिनी-प्रोजेक्ट्स द्वारा संचालित होगी।

डॉ. जितेंद्र ने बताया कि इस कार्यक्रम में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्य, राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारी, शोधकर्ता, स्कूल शिक्षक और पंजीकृत गैर सरकारी संगठन प्रतिभागिता कर सकते हैं। कुल 25 चयनित प्रतिभागियों को 3 अक्टूबर तक सूचित किया जाएगा। इस अवसर पर भूगोल विभाग के प्रो. एमएल. मीना, डॉ. खेराज, डॉ. सीएम मीना, डॉ. काजल कुमार मंडल, डॉ. मनीष कुमार मौजूद रहे।

प्रदेश में फिर छह लाख से बढ़ाकर आठ लाख की गई क्रीमीलेयर की आय सीमा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महेंद्रगढ़ में आयोजित ओबीसी सम्मान सम्मेलन में की घोषणा

बलवान शर्मा ● जागरण

गृह मंत्री अमित शाह को पगड़ी पहनाते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ● डीपीआरओ

- कहा- क्रीमीलेयर आय सीमा में वेतन और खेती से अर्जित आय को नहीं किया जाएगा शामिल
- ओबीसी ग्रुप-बी के लिए पंचायतों और नगर परिषद में भी पांच प्रतिशत आरक्षण का किया एलान
- मुख्यमंत्री ने इन घोषणाओं को अमल में लाए जाने की सरकारी अधिसूचना को मंच से दिखाया
- सम्मेलन में शाह ने कांग्रेस को करार दिया पिछड़ा वर्ग विरोधी

महेंद्रगढ़ :राजनीतिक रैलियों, सम्मेलन व कार्यक्रमों में बहुत सी घोषणाएं होती हैं, उनमें से कुछ पूरी होती हैं तो कुछ भुला दी जाती हैं। लेकिन मंगलवार को भाजपा का ओबीसी सम्मान सम्मेलन इस मायने में अलग रहा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सम्मेलन में पिछड़ा वर्ग के लिए जो भी घोषणाएं कीं, वह तत्काल प्रभाव से लागू हो गईं। शाह ने हरियाणा में ओबीसी के लिए क्रीमीलेयर आय सीमा छह लाख से बढ़ाकर आठ लाख रुपये करने की घोषणा की। कहा कि इसमें वेतन और कृषि आय भी नहीं गिनी जाएगी। उन्होंने ओबीसी ग्रुप-बी के लिए पंचायतों और नगर परिषद में पांच प्रतिशत आरक्षण का एलान भी किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इन घोषणाओं को अमल में लाए जाने की सरकारी अधिसूचना को मंच से ही दिखाया।

बता दें, मनोहर सरकार ने हरियाणा में क्रीमीलेयर की आय सीमा को आठ लाख से घटाकर छह लाख रुपये करते हुए इसमें वेतन और खेती से अर्जित आय को भी शामिल कर दिया था। वहीं, ओबीसी-ए को अभी आठ प्रतिशत आरक्षण मिल रहा है, जो जारी रहेगा।

सम्मेलन में शाह ने कांग्रेस को पिछड़ा वर्ग विरोधी करार दिया। कहा कि पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने के लिए 1957 में काका साहब कमीशन बना। कांग्रेस ने इस कमीशन की सिफारिशों को वर्षों तक लागू नहीं किया। फिर 1980 में इंदिरा गांधी ने मंडल कमीशन को ठंडे बस्ते में डाल दिया। 1990 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी पिछड़े वर्गों के आरक्षण का विरोध किया था। केवल भाजपा ही ऐसी पार्टी है, जो पिछड़े वर्ग को उसके सांवैधानिक अधिकार दिलाने का काम करती है। भाजपा ने ही ओबीसी कमीशन को सांवैधानिक मान्यता प्रदान की। साथ ही केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, सैनिक स्कूलों और नीट में पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण पहली बार मोदी सरकार ने ही दिया। देश के प्रधानमंत्री भी पिछड़ा वर्ग से ही हैं।

शाह ने कहा कि हरियाणा में पिछड़े वर्ग के कल्याण की कई योजनाएं बनी हैं। पिछड़ा वर्ग के बेटे नायब सिंह सैनी को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया गया है। वहीं, कांग्रेस ने जातिवाद और भ्रष्टाचार के सिवाय हरियाणा को कुछ नहीं दिया। शाह ने हिसाब मांगो अभियान चला रहे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को कठघरे में खड़ा किया। कहा कि मैं बनिये का बेटा हूं और पिछले दस साल का पूरा हिसाब मेरे पास है, लेकिन हुड्डा साहब आपको भी अपने दस साल के कुशासन का हिसाब जनता को देना होगा।

शाह ने कहा, कांग्रेस ने प्रदेश को जातिवाद और भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं दिया। वहीं, भाजपा ने कांग्रेस के इज आफ डूइंग करप्शन को इज आफ डूइंग बिजनेस में बदला। पिछली सरकारों में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर था, गुंडागर्दी का बोलबाला था। विकास एक जिले तक सीमित होता था, वहीं, भाजपा सरकार में हरियाणा का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित किया गया है। सम्मेलन को मुख्यमंत्री नायब सिंह, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने भी संबोधित किया।

संबंधित›› पेज 7

INC - Education Sector

Print

Fourth Counselling for PG Programs in CUH on July 15

July 13, 2024 11:25 AM

Mahendragarh, 13.07.24-The Fourth Counselling for admission to Postgraduate (PG) and Diploma Programs for the academic session 2024-25 at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh will be held on July 15, 2024. The category-wise list will be displayed on the University website on July 15. For this, online fees can be deposited till July 18, 2024.

Dr. Tejpal Dhewa, Dr. Siddharth Shanker Rai and Dr. Sushil Kumar, coordinators of the admission process of CUET, said that fourth counselling for admission to the vacant seats in Postgraduate and PG diploma programs in the University will be held on July 15, the fifth counselling on July 23 and the sixth counselling on July 29. After this, in case the seats remain vacant, the vacant seats will be displayed on the University website on August 02, 2024. He informed that the classes for the new academic session will start from 01 August 2024.

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Mohindergarh 14.07.2024 - 14 Jul 2024 - Page 4

हकेंवि में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में दाखिले के चौथी काउंसलिंग 15 जुलाई को

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा कार्यक्रम में दाखिले के लिए चौथी काउंसलिंग 15 जुलाई को होगी। इसके अंतर्गत श्रेणीवार लिस्ट 15 जुलाई को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की जाएगी। इसके लिए 18 जुलाई तक आनलाइन फीस जमा की जा सकती है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 की सीयूईटी की प्रवेश प्रक्रिया का संयोजन कर रहे डॉ. तेजपाल ढेवा, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय व डॉ. सुशील कुमार ने बताया कि सीयूईटी 2024 के अंतर्गत जारी दाखिला प्रक्रिया में विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए चौथी काउंसलिंग 15 जुलाई को, पांचवी काउंसलिंग 23 जुलाई को तथा छठी काउंसलिंग 29 जुलाई को आयोजित की जाएगी। इसके पश्चात सीटें रिक्त रहने की स्थिति में दो अगस्त को रिक्त सीटों की जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से नए सत्र के अंतर्गत कक्षाओं की शुरुआत आगामी एक अगस्त से होगी।

हकेंवि में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले की चौथी काउंसलिंग 15 को

संस, जागरण • महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा कार्यक्रमों में दाखिले के लिए चौथी काउंसलिंग आगामी 15 जुलाई को होगी। इसके अंतर्गत श्रेणीवार लिस्ट 15 जुलाई को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की जाएगी। इसके लिए 18 जुलाई तक आनलाइन फीस जमा की जा सकती है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 की सीयूईटी की प्रवेश प्रक्रिया का संयोजन कर रहे डा. तेजपाल ढ़ेवा, डा. सिद्धार्थ शंकर राय व डा. सुशील कुमार ने बताया कि सीयूईटी 2024 के अंतर्गत जारी दाखिला प्रक्रिया में विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर व पीजी

CUH Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar honored with Education Leadership Award

July 12, 2024 04:23 PM

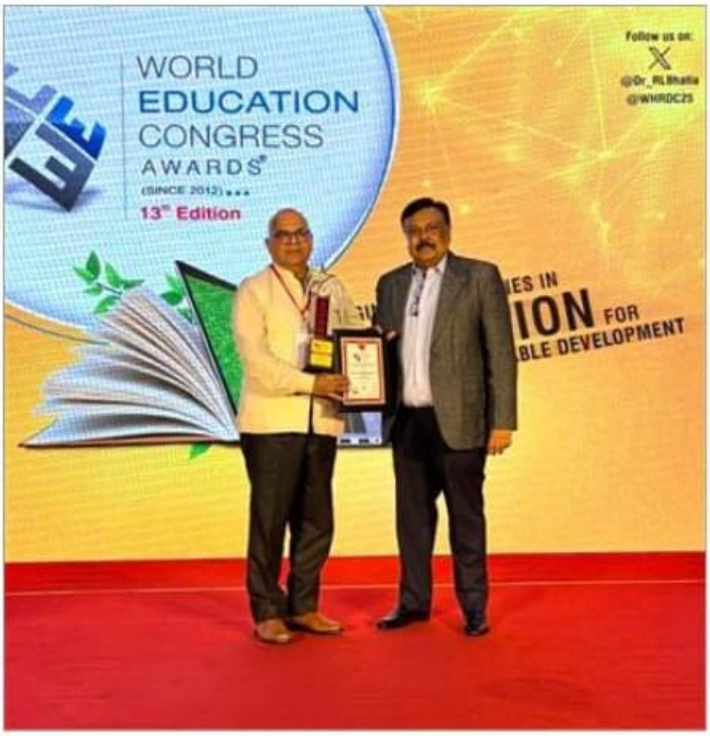

Mahendragarh, 12.07.24-Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh has been awarded the 'Education Leadership Award' in the 13th Edition of the prestigious World Education Congress Awards. Prof. Tankeshwar Kumar has been given this honor for excellence in Education, Leadership and Teaching.

In this event, Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University also elaborated on the use of 'Alternative Technologies for Education'. He said there are challenges of using artificial intelligence and virtual reality for the purpose of education as it can be misused by students. However, there are a lot of opportunities to those students who want to learn things faster.

Prof. Tankeshwar Kumar has worked as Vice-Chancellor of Guru Jambeshwar University of Science and Technology, Hisar for about 6 years and had an additional charge of Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani and Deenbandhu Chhotu Ram University of Science and Technology, Murthal Sonepat. He has led the University to a level which provides University a National Ranking and International Standing

Prof. Tankeshwar Kumar also said that Central University of Haryana is moving on the path of continuous progress along with all its stakeholders. Continuous efforts are being made in a planned manner in the University to achieve the goals of the National Education Policy. As a result of these efforts, the contribution of the University is being appreciated on various platforms. The Vice Chancellor also

हकेंवि निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर : टंकेश्वर कुमार

- हकेंवि कुलपति को मिला एजुकेशन लीडरशिप सम्मान
- कहा–विश्वविद्यालय के योगदान को मिल रही है सराहना

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को वर्ल्ड एजुकेशन कांग्रेस अवार्ड्स के 13वें संस्करण में एजुकेशन लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान नेतृत्व कुशलता, शिक्षा एवं अध्यापन के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया है। आयोजन में कुलपति ने शिक्षा के क्षेत्र में वैकल्पिक प्रौद्योगिकी के उपयोग और महत्ता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के उद्देश्य के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वर्चुअल रियलिटी का उपयोग करना चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि विद्यार्थियों के द्वारा इसका दुरुपयोग किया जा सकता है। हालांकि, यह सीखने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए उपयोगी भी है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति के रूप में लगभग छह वर्षों तक कार्य किया। साथ ही उन्होंने चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी और दीनबंधु छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल

एजुकेशन लीडरशिप अवार्ड ग्रहण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • सौ. प्रवक्ता

अग्रसर है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति के

हकेंवि के कुलपति को एजुकेशन लीडरशिप अवॉर्ड

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को प्रतिष्ठित वर्ल्ड व एजुकेशन कांग्रेस अवॉर्ड के 13वें संस्करण में एजुकेशन लीडरशिप अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान नेतृत्व कुशलता, शिक्षा व अध्यापन के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया है। आयोजन में कुलपति ने शिक्षा के क्षेत्र में वैकल्पिक प्रौद्योगिकी के उपयोग और उसकी महत्ता विषय पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। कुलपति ने कहा कि शिक्षा के उद्देश्य के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वर्चुअल रियलिटी का उपयोग करना चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि विद्यार्थियों के द्वारा इसका दुरुपयोग किया जा सकता है। संवाद

हकेंवि के दसवें दीक्षा समारोह में राष्ट्रपति होंगी मुख्य अतिथि

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) का दसवां दीक्षांत समारोह आगामी 22 जुलाई को आयोजित होने जा रहा है। इस अवसर पर भारत की राष्ट्रपति व विश्वविद्यालय की कुलाध्यक्ष द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगी। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस समारोह में 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाएंगी। आयोजन के संबंध में नौ जुलाई को कुलपति की अध्यक्षता में वरिष्ठ अधिकारियों व आयोजन से जुड़ी समितियों के संयोजकों की बैठक हुई, जिसमें आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय इस आयोजन के लिए तैयार है और इससे जुड़ी सभी तैयारियों को जल्द ही अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक के अनुसार अभी तक 65 को पीएचडी, आठ को एमफिल सहित 1338 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएगी। 46 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए लिए स्वर्ण पदक दिए जायेंगे। इस वर्ष दसवें दीक्षा समारोह में यूजी पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 192 तथा बीवाक में 83 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 990 विद्यार्थियों को डिग्री दी जाएंगी।

हकेंवि का 10वां दीक्षांत समारोह 22 को

राष्ट्रपति मुर्मू के हाथों मिलेंगी 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को डिग्रियां

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का 10वां दीक्षांत समारोह 22 जुलाई को होगा। इसमें राष्ट्रपति एवं विश्वविद्यालय की कुलाध्यक्ष द्रौपदी मुर्मू बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगी।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि दीक्षांत समारोह में 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। आयोजन के संबंध में मंगलवार को कुलपति की अध्यक्षता में हुई वरिष्ठ अधिकारियों व आयोजन से जुड़ी विभिन्न समितियों के संयोजकों की बैठक में तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक के अनुसार इस बार अभी तक 65 को पीएचडी, 8 को एमफिल सहित 1338 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। इसी क्रम में 46 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। इस वर्ष दसवें दीक्षांत समारोह में यूजी पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 192 तथा बीवॉक में 83 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 990 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएंगी।

हकेंवि के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति होंगी मुख्य अतिथि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) का 10वां दीक्षांत समारोह 22 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि रहेंगी।

22 जुलाई को होगा समारोह का आयोजन

इस दौरान 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी, एमफिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाएगी। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि 10वें दीक्षांत समारोह में कुल 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को डिग्री दी जाएगी। तैयारियों को लेकर कुलपति की अध्यक्षता में अधिकारियों व आयोजन से जुड़ी विभिन्न समितियों के संयोजकों की बैठक हुई, जिसमें इस आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय। संवाद

46 विद्यार्थियों को दिए जाएंगे स्वर्ण पदक

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक ने बताया कि इस बार अभी तक 65 को पीएचडी, 8 को एमफिल सहित 1338 विद्यार्थियों को डिग्री दी जाएगी। इसी क्रम में 46 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। इस वर्ष दीक्षांत समारोह में यूजी पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बीटेक में 192 व बीवॉक में 83 विद्यार्थियों को व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 990 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी।

हकेवि देगा विद्यार्थियों को इंडस्ट्री केंद्रित तकनीकी प्रशिक्षण

महेंद्रगढ़, 5 जुलाई (परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ अपने विद्यार्थियों को अब प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में इंडस्ट्री का व्यावहारिक प्रशिक्षण विशेषज्ञों के सहयोग से प्रदान करेगा। विश्वविद्यालय ने इस संबंध में प्रतिष्ठित कनेक्टिंग ड्रीम्स नामक संस्थान के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी के अंतर्गत उन्नत लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पर आधारित प्रचलित उद्योग केंद्रित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए जाएंगे। इनके माध्यम से विद्यार्थियों को मौजूदा समय में इंडस्ट्री की आवश्यकताओं के तैयार करने का मार्ग प्रशस्त होगा। समझौता पत्र पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व कनेक्टिंग ड्रीम्स की ओर से मंयक जोशी हस्ताक्षर किए। समझौता पत्र पर हस्ताक्षर के दौरान कुलपति टंकेश्वर कुमार भी उपस्थित रहे। कुलपति टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि इस सहयोग के साथ विद्यार्थियों के कौशल विकास और मौजूदा जॉब मार्केट की आवश्यकताओं के अनुरूप उन्हें तैयार करने का मार्ग प्रशस्त होगा। इस साझेदारी से शैक्षणिक शिक्षा और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच का अंतर पाटने की उम्मीद है, जिससे छात्रों को तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और विशेषज्ञता प्राप्त हो सकेगी। प्रशिक्षण निदेशक प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि ये प्रशिक्षण कार्यक्रम वोडाफोन आइडिया द्वारा उनके कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पहल के तहत प्रायोजित हैं। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स, लिनक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा,पावर बीआई और फुल स्टैक वेब डेवलपमेंट जैसे मांग वाले क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए कार्य करेगा।

नवोदय टाइम्स
Sat, 06 July 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/7538

हकेंवि कुलपति मानद सदस्य मनोनीत

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को रोटरी इंटरनेशनल के अंतर्गत आने वाले रोटरी चंडीगढ़ शिवालिक क्लब का मानद सदस्य बनाया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार चंडीगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में कंवलप्रीत को अध्यक्ष व विनीत नागपाल को सचिव नियुक्त किए जाने के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रोटरी इंटरनेशनल विश्व के सबसे बड़े सेवा संगठनों में से एक है और इसका उद्देश्य जाति, लिंग, वर्ण के भेदभाव के बिना लोगों की सेवा करना है। कुलपति ने विश्वास दिलाया कि क्लब के मानद सदस्य के रूप में वे समाजहित में हरसंभव योगदान प्रदान करेंगे। विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने कुलपति को बधाई देते हुए कहा कि उनके द्वारा अध्ययन-अध्यापन व शोध के साथ-साथ समाज कल्याण के क्षेत्र में निरंतर जारी प्रयासों के परिणामस्वरूप उन्हें संबंधित संस्था के द्वारा नामित किया गया है। संवाद

हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार रोटरी इंटरनेशनल के मानद सदस्य मनोनीत

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर

कुमार को रोटरी इंटरनेशनल के अंतर्गत आने वाले रोटरी चण्डीगढ़ शिवालिक क्लब का मानद सदस्य बनाया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार चण्डीगढ़ मे आयोजित कार्यक्रम मे श्री कंवलप्रीत को अध्यक्ष तथा विनीत नागपाल को सचिव नियुक्त किए जाने के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। रोटरी चण्डीगढ़ शिवालिक का मानद सदस्य बनाए जाने पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रोटरी इंटरनेशल विश्व के सबसे बड़े सेवा संगठनों में से एक है और इसका उद्देश्य जाति, लिंग, वर्ण के भेदभाव के बिना लोगों की सेवा करना है। कुलपति ने विश्वास दिलाया कि क्लब के मानद सदस्य के रूप में वे समाजहित में हरसंभव योगदान प्रदान करेंगे। विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने कुलपति को बधाई देते हुए कहा कि उनके द्वारा अध्ययन-अध्यापन व शोध के साथ-साथ समाज कल्याण के क्षेत्र में निरंतर जारी प्रयासों के परिणामस्वरूप उन्हें संबंधित संस्था के द्वारा नामित किया गया है। अवश्य ही वे इस भूमिका में भी उल्लेखनीय योगदान प्रदान करेंगे।